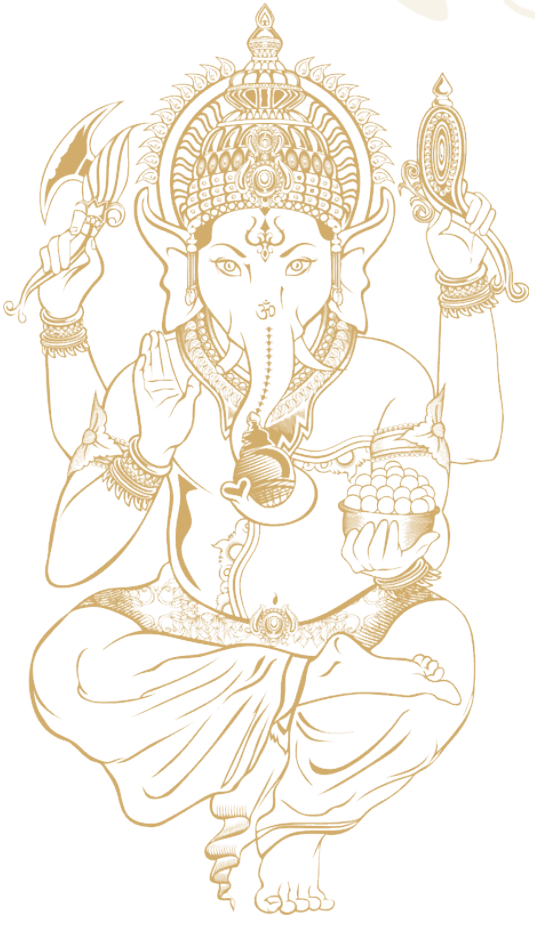

Onik Tyagi

26 Jun 2010

03:16 PM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121853512

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/06/2010**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:16:00 घंटे**
इष्ट	24:40:58 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:53:56 घंटे
वेलान्तर	-00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	09:11:35 घंटे
सूर्योदय	05:23:36 घंटे
सूर्यास्त	19:26:00 घंटे
दिनमान	14:02:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:41:33 मिथुन
लग्न के अंश	17:23:04 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:23:04	306:33:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	10:41:33	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	09:51:28	12:29:00	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	16:20:44	00:33:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	मिथु	08:06:19	02:11:09	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	स्वराशि
गुरु			मीन	08:13:31	00:05:03	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	19:58:19	01:09:05	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कन्या	04:25:15	00:02:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	17:54:52	00:00:14	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	17:54:52	00:00:14	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:32:54	00:00:27	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:31:17	00:00:47	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	10:05:12	00:01:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	21:25:48	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:30

लग्न-चलित

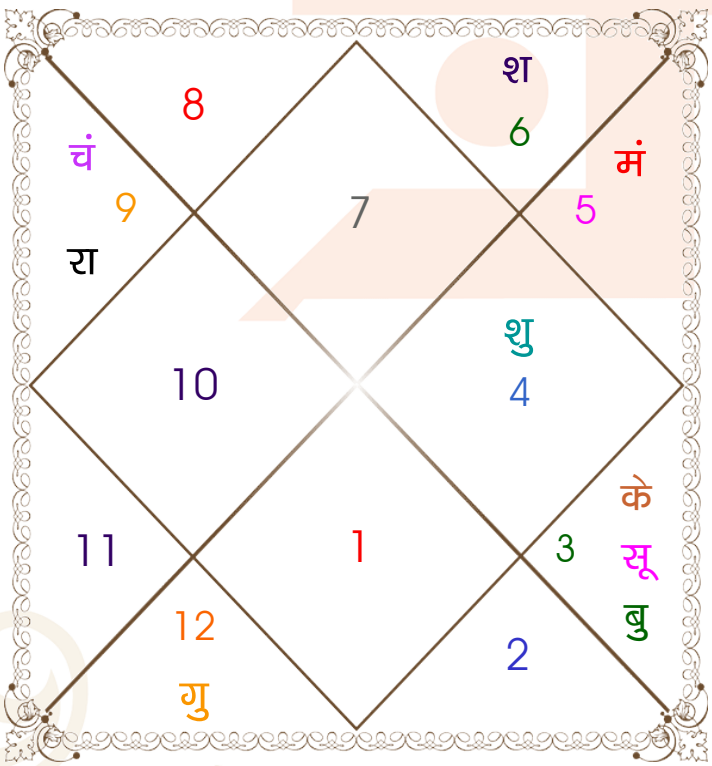

चन्द्र कुंडली

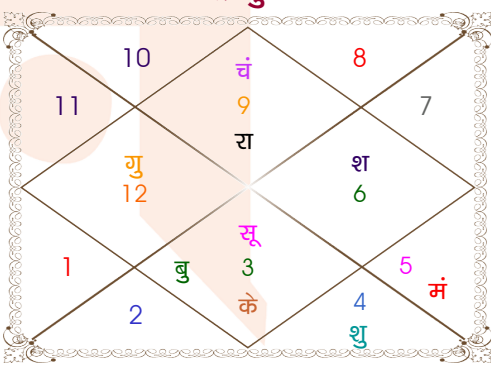

नवमांश कुंडली

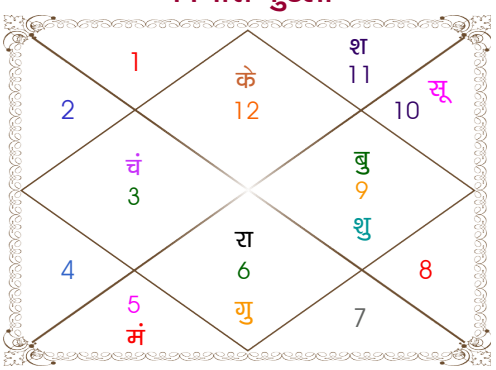

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 9 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/06/2010		23/04/2012		23/04/2032		23/04/2038		23/04/2048	
23/04/2012		23/04/2032		23/04/2038		23/04/2048		23/04/2055	
	00/00/0000	शुक्र	23/08/2015	सूर्य	10/08/2032	चंद्र	21/02/2039	मंगल	19/09/2048
	00/00/0000	सूर्य	22/08/2016	चंद्र	09/02/2033	मंगल	23/09/2039	राहु	07/10/2049
	00/00/0000	चंद्र	23/04/2018	मंगल	17/06/2033	राहु	23/03/2041	गुरु	13/09/2050
	00/00/0000	मंगल	23/06/2019	राहु	11/05/2034	गुरु	23/07/2042	शनि	23/10/2051
	00/00/0000	राहु	23/06/2022	गुरु	28/02/2035	शनि	22/02/2044	बुध	19/10/2052
	00/00/0000	गुरु	21/02/2025	शनि	10/02/2036	बुध	23/07/2045	केतु	17/03/2053
	26/06/2010	शनि	23/04/2028	बुध	16/12/2036	केतु	21/02/2046	शुक्र	17/05/2054
शनि	26/04/2011	बुध	21/02/2031	केतु	23/04/2037	शुक्र	23/10/2047	सूर्य	22/09/2054
बुध	23/04/2012	केतु	23/04/2032	शुक्र	23/04/2038	सूर्य	23/04/2048	चंद्र	23/04/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/04/2055		23/04/2073		23/04/2089		24/04/2108		24/04/2125	
23/04/2073		23/04/2089		24/04/2108		24/04/2125		00/00/0000	
राहु	04/01/2058	गुरु	11/06/2075	शनि	26/04/2092	बुध	20/09/2110	केतु	20/09/2125
गुरु	29/05/2060	शनि	22/12/2077	बुध	04/01/2095	केतु	17/09/2111	शुक्र	20/11/2126
शनि	05/04/2063	बुध	29/03/2080	केतु	13/02/2096	शुक्र	18/07/2114	सूर्य	28/03/2127
बुध	22/10/2065	केतु	05/03/2081	शुक्र	14/04/2099	सूर्य	25/05/2115	चंद्र	27/10/2127
केतु	10/11/2066	शुक्र	04/11/2083	सूर्य	27/03/2100	चंद्र	23/10/2116	मंगल	24/03/2128
शुक्र	10/11/2069	सूर्य	22/08/2084	चंद्र	27/10/2101	मंगल	20/10/2117	राहु	12/04/2129
सूर्य	04/10/2070	चंद्र	22/12/2085	मंगल	05/12/2102	राहु	09/05/2120	गुरु	19/03/2130
चंद्र	04/04/2072	मंगल	28/11/2086	राहु	11/10/2105	गुरु	15/08/2122	शनि	27/06/2130
मंगल	23/04/2073	राहु	23/04/2089	गुरु	24/04/2108	शनि	24/04/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।